हाइब्रिड एंड नॉन-काइनेटिक वारफेयर

स्रोत: द हिंदू

हाल ही में **रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति (Parliamentary Standing Committee on Defence- PSCoD) ने** हाइब्रिड वारफेयर के लिये भारतीय सशस्त्र बलों की तैयारियों पर जोर दिया है।

- **हाइब्रिड वारफेयर से तात्पर्य पारंपरिक सैन्य रणनीति** (काइनेटिक वारफेयर) और आधुनिक रणनीतियों जैसे **साइबर युद्ध, सूचना हेरफेर, आर्थिक व्यवधान और मनोवैज्ञानिक संचालन** (नॉन-काइनेटिक वारफेयर) के संयोजन से है।
    - नॉन-काइनेटिक विधियाँ पारंपरिक युद्ध की तुलना में **अधिक घातक** हो सकती हैं, जैसे लेबनान में पेजर विस्फोट।
    - **नॉन-काइनेटिक वारफेयर/गैर-गतिज युद्ध में** ड्रोन को भौतिक रूप से मार गिराने (काइनेटिक वारफेयर) के बजाय ड्रोन संचालन को बाधित करने के लिये **जैमिंग, लेजर या विद्युत चुंबकीय तरंगों का** उपयोग करना शामिल है।
- तीनों सेनाओं का **"भविष्य का युद्ध" पाठ्यक्रम मेजर जनरल से लेकर मेजर (और उनके समकक्ष) अधिकारियों को** काइनेटिक और नॉन-काइनेटिक दोनों प्रकार की आधुनिक युद्ध तकनीकों में प्रशिक्षित करने के लिये तैयार किया गया है।
    - इसका आयोजन हाल ही में **एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय (Headquarters Integrated Defence Staff)** द्वारा किया गया था।
- भारतीय सेना **2024 को** प्रौद्योगिकी अवशोषण वर्ष **के** रूप में मना रही है, जिसमें मौजूदा विरासत प्रणालियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हाइपरसोनिक हथियार, जैव प्रौद्योगिकी **और** क्वांटम प्रौद्योगिकी जैसी विघटनकारी प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
- PSCoD एक विभाग-संबंधित स्थायी समिति **(Departmentally-Related Standing Committees- DRSC)** है और लोकसभा **के अधीन कार्य करती है।**
    - समिति में **31 सदस्य हैं, जिनमें से 21 लोकसभा से और 10 राज्यसभा** से हैं। लोकसभा के सदस्यों को **अध्यक्ष** द्वारा और राज्यसभा के सदस्यों को **सभापति द्वारा नामित किया जाता है।**

//

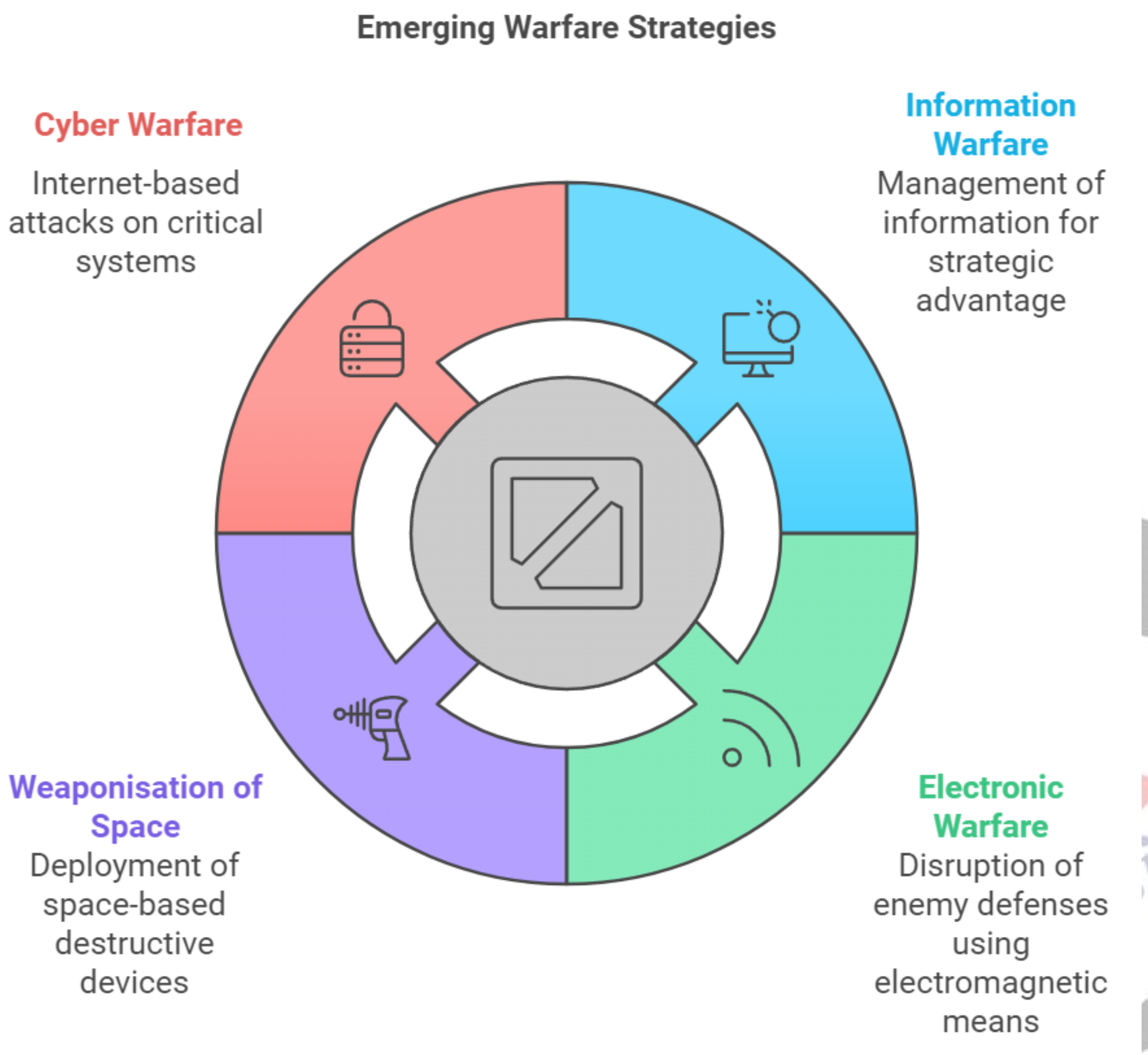

और पढ़ें: [भारतीय सेना में तकनीकी]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/hybrid-and-non-kinetic-warfare